अगर यो कहानी को अंत होतो,
तो यो कितनो दुखद होतो।
लेकिन भगवान ने कुछ
अद्भुत करि। यीशु
मरिया नी।

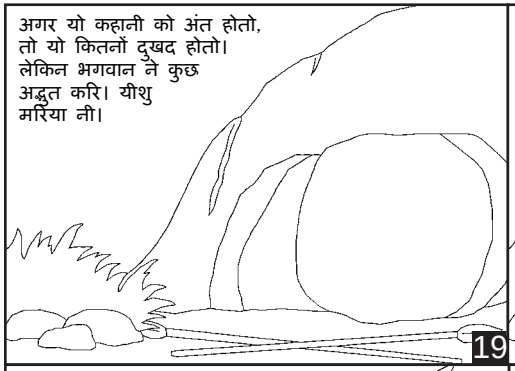

19

सप्ताह को पेलो दन सुबह जल्दी, यीशु
का कुछ शिष्यओ के कब्र से पत्थर
लुढकि हुआ मिलीया।
जब उन्न अंदर देखि
यीशु वा नही सा।

20

कब्र से रोते हुए एक महिला रुकी। यीशु
उन दिखाई दिया! वा दुसरा शिष्य के
बताने क लिए खुशी से दौड़ी।
यिशु जिंदा है वे मौत
से वापस आई गया है

21

जल्द ही यीशु शिष्यओ क पास आयो, उन अपना
नाखून निकलिया हुआ हाथ बतायो। यो सच सो।
यीशु फिर से जीवित हो गयो सो! उन्ने पीटर के
मना करने क लिये माफ कर दियो, और अपना
शिष्यओ से बोलि कि हर किसी क उका बारा मे
बताए। फिर वी स्वर्ग में वापस चली गयो जहाँ से
वो आयो सो।

22

पहला ईस्टर

पहला ईस्टर

बाइबल, भगवान का वचन की एक कहानी

में पायी गयी

मैथ्यू 26-28, ल्यूक 22-24, जॉन 13-21

तारा शब्द को प्रवेश प्रकाश करे
भजन 119:130

23

का द्वारा रचति: Edward Hughes
का द्वारा नरि्देशति: Janie Forest
Alastair Paterson

का द्वारा अनुवाद: www.christian-translation.com
का द्वारा अपनाई: Lyn Doerksen

54 से 60 तक की कहानी

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञापत्र: जब तक तू इनी बेचो, तारे इस कहानी के कॉपी या प्रटिकरने को अधकिार है।

भगवान जाने से कि हमने बुरे काम करि है,
जिने व पाप बोले। पाप का सजा मौत स।

भगवान हमार से बहुत प्यार करे उन्न अपना बेटा, यीशु के एक
क्रोस प मरने और हमारे दंड का भुगतान करने क लिए भेजओ।
यीशु जीवित आयोऔर स्वर्ग वापस चल गयो अब भगवान हमारा
पाप को माफ कर सकता है।

अगर तुम तारा पापा न कम करनो चाहो हो , तो भगवान से य
बोलो: प्रिय भगवान, म्हारो मान्नओ कि यीशु मार लिये मरा है
और अब वि फिर से जिंदा स। कृपया मारा जिवन मे आओ और
मारा पाप की क्षमा करो, जिससे मैं अब नयो जीवन जी सकूं, और
फिर हमेशा का लिए तार साथ रु। अपना बच्चा का रुप मे तार लिये
जिने मे मारी मदद करो। तथास्तु। जॉन 3:16

बाइबल पढो और हर दिन भगवान सू बात करो!

Gujri

महिला शोर करती हुई पहाड़ी पे खड़ी
थी, उकी उदास आँख एक भयानक
दृश्य के देख रि सी।
उको बेटो मर रियो
सो। माँ मैरी सी
और वा उस जगह
का पास खड़ी सी
जीपे यीशु के एक
क्रॉस पे नंगो करी
गयो सो।

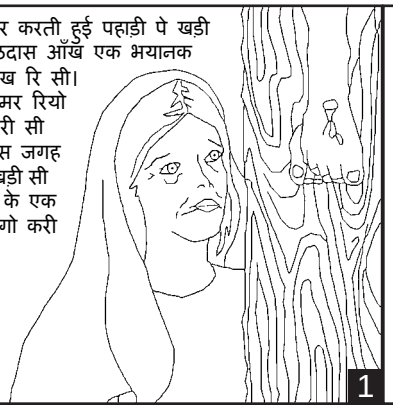

1

य सब कसान हुओ? यीशु
इता खूबसूरत जीवन के इता
भयानक तरीका से कैसे
खतम कर सका सा?
परमेश्वर अपना पुत्र
के वा मरने का
लिये कैसे एक
क्रोस पे चढ़ाइ
सकता है? कइ यीशु
ने गलती करी सी कि
वह कौन स? कइ ईश्वर
असफल हुइ गया

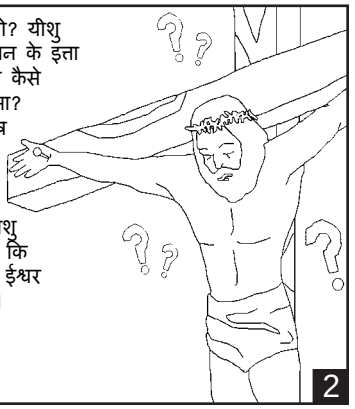

2

न! भगवान असफल न
हुआ। यीशु ने कोई गलती
ने करी सी। यीशु हमेशा
जानता था कि व दुष्ट का
द्वारा मौत का घाट उतारि
जावेगा। जब यीशु एक
बच्चो सो, तब भी शिमोन
नाम का एक बूढा व्यक्ति ने
मरियम से बोलि स कि
उदासी आगे बढ़े।

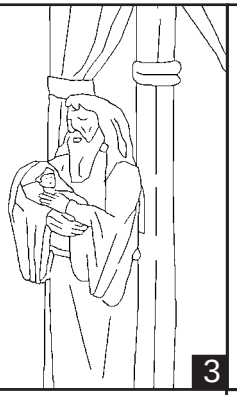

3

यीशु का मरने का कुछ दिन
पेले□एक महिला ने आ क
अपना पैर प सुगंधित
मलहम डालि। □उ पिसो
बर्बाद कर रिओयो स□□
शिष्य न शिकायत करी। □उन्न
अच्छो काम करि स□' यीशु ने बोलि।
□उन्न यो महारा दफन करने क
लिये करियो सो।" कइ अजीब बात हैं□

4

इक बाद, यीशु का बारह शिष्य
में से एक यहूदा, चांदी का 30
टुकडा क लिए यीशु के मुख्य
याजक न धोखो देने क लिए
सहमत हुयो।

5

यहूदी फसह पर्व पे यीशु ने अपना
शिष्यि क साथ आखिरि भोजन
करि। उन्न उनके परमेश्वर और
उनका वादा का बारा मे अद्भुत बात
बताईं जो उनको प्यार कर स। फिर
यीशु ने उनके बाँटने क लिए रोटी
और एक प्यालो दिओ। यो उनके
याद दिलाने का लिए सो
कि पाप क लिए क्षमा
लाने का लिए
यीशु के शरीर
और खून दियो सो।

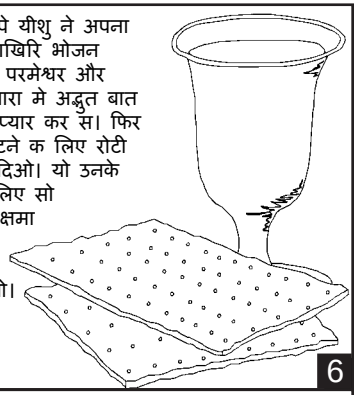

6

फिर यीशु ने अपने दोस्त से बोलि कि उनका साथ
विश्वासघात होय गो, और व भाग जाएंगा। □मैं भगुंगा नी□'
पीटर ने जोर दइ के बोलि । □रोस्टर कौवे से पेली, तम
महारे बार मना करोगा□' यीशु ने बोलि।

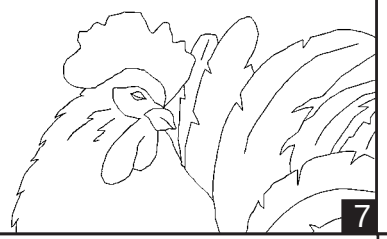

7

उस रात का बाद, यीशु
गेथसमेन का बगीचा में
प्रार्थना करने गया। जो
शिष्य उके साथ सा□ वी
सोइ गया। □हे महारा
पिता□' यीशु ने प्रार्थना
करी, "... इस कप के
महारा पास से जाने दो।
फिर भी, जैसो मैं
करूंगा, वैसो ।

8

अचानक एक भीड़ जुदास का नेतृत्व में बगीचे में
आइ गयी। यीशु ने विरोध न करीयो, लेकिन पीटर
ने एक आदमी को कान कात दि। चुपचाप, यीशु ने
उस आदमी का कान क छुओ और उसे के ठीक
कर दिओ। यीशु जान स कि उकी
गिरफ्तारी ईश्वर की इच्छा
को हिस्सो स।

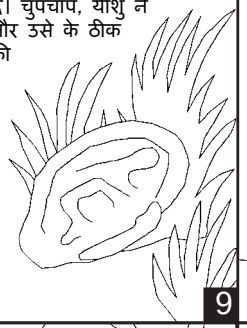

9

भीड़ यीशु को महायाजक क घर लइ गई। वा यहूदी नेता
ने बोलि कि यीशु के मर जानो चाई। पास में, पीटर नौकर
की आग का पास खडो सो और देखतो रिओ। तीन बार
लोगन ने पीटर के देखि
ओर बोलि □तम यीशु का
साथ स।" तीन बार पीटर
ने इको खंडन करि, ठीक
वेसे हि जैसे यीशु ने
बोलिय सो। पीटर ने
भी शाप दियो
और शपथ ली।

10

बस फिर, एक मुर्गे का ताज।
या पीटर क लिए परमेश्वर की
आवाज़ जैसो स। यीशु के
शब्द के याद करते हुए, पीटर
फूट□फूट के रोयो।

11

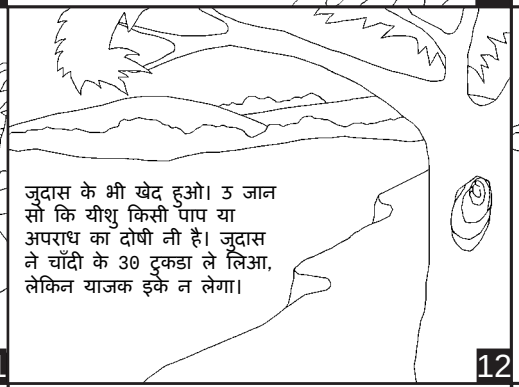

जुदास के भी खेद हुओ। उ जान
सो कि यीशु किसी पाप या
अपराध का दोषी नी है। जुदास
ने चाँदी के 30 टुकडा ले लिआ,
लेकिन याजक इके न लेगा।

12

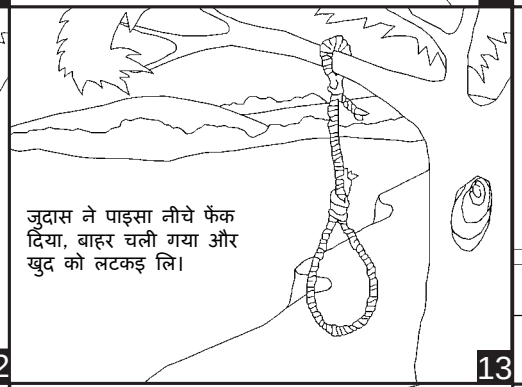

जुदास ने पाइसा नीचे फैंक
दिया, बाहर चली गया और
खुद को लटकइ लि।

13

पुजारी, रोमन गवर्नर पिलातुस से
पेला यीशु के लिआया। पीलातुस ने
बोलि,, □महारे इस आद्मी मे कोइ
गलती ना मिली।" लेकिन भीड़ रोती
रही, □उको क्रुस पे चडाओ।

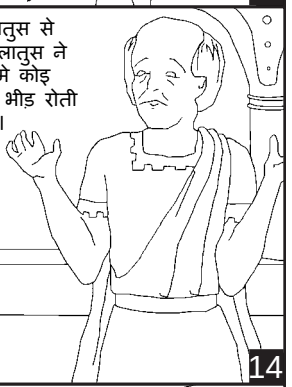

14

आखिर में पिलातुस ने दिया और यीशु
क सूली पे मरने क लिए सजा सुनई।
सैनिक को ने यीशु के मुक्का मारी,
उनका चेहरा पे थूक दियो और उनके
मार दियो। उन्न लम्बा तेज कांटा को
एक क्रूर मुकुट बनायो और उक उका
सिर मे दाल दिओ। फिर उन्न उनके
मरबा क लिए एक लकड़ी का क्रॉस पे
नंगो कर दिओ।

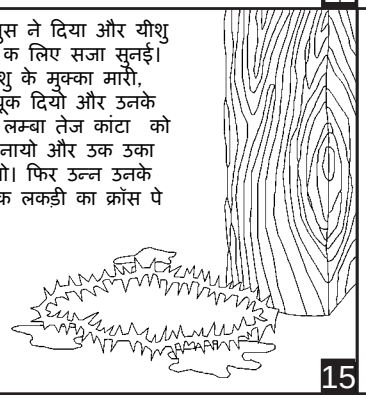

15

यीशु हमेशा जानता था कि वी इसी तरह मर जाएगा। वी
यो भी जानता था कि उनकी मृत्यु उन पापि क लिए
क्षमादान लाएगी, जिन्ने उन पे भरोसा करि। यीशु का पास
दो अपराधि के सूली पे चढायो सो।
एक ने यीशु पे विश्वास करि□
और स्वर्ग चली गया। दूसरे
ने नी करि।

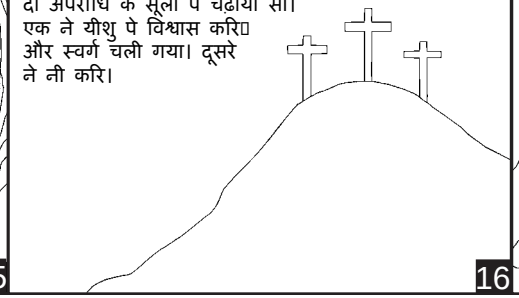

16

दुख का घंटा का बाद, यीशु ने
बोलि, □यो खतम हो गयो□' और
मर गया। उनको काम पूरो हु
गयो। दोस्त न ने उनके एक
निजी कब्र में दफनायो।

17

फिर रोमन सैनिको ने कब्र
के सील और संरक्षित करि।
अब कोई भी अंदर या
बाहर न निकल सको।

18